



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

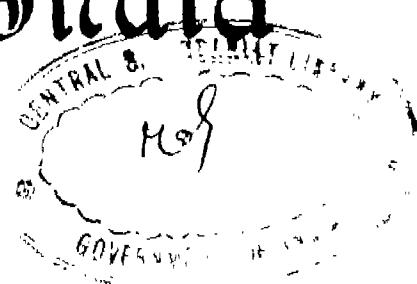
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 745]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 9, 2001/आश्विन 17, 1923

No. 745]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 9, 2001/ASVINA 17, 1923



वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी आजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर, 2001

का.आ. 1012(अ)।—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2), की धारा 20 के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आई. सी. आई. सी. आई. लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋण पत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपए मात्र से अनधिक मूल्य के मोबानीय बांड (आई. सी. आई. सी. आई. बांड—सितंबर, 2001) प्राप्तिकृत करती है :—

1. इन्कैश बांड,
2. रेजुलर इन्कम बांड,
3. मनी मल्टीप्लायर बांड,
4. चिल्ड्रन ग्रोथ बांड,
5. टैक्स सेविंग बांड।

[फा. सं. 6/13/सी. एम./2001]

एस. बेहुरा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th October, 2001

S.O. 1012(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the unsecured Redeemable Bonds (ICICI Bonds—September, 2001) in the nature of debentures as—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond;
4. Children Growth Bond;
5. Encash Bond;

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/13/CM/2001]

S. BEHURA, Jt. Secy.

